



# गली है या चिड़ियाघर

लेखक - माला कुमार और मनीषा चौधरी

सोन्, मोन् और रीना खेलने के लिए निकले। उन्हें एक छोटी सी बिल्ली दिखी। वह एक बड़े से चूहे पर घात लगा रही थी। “अरे, अरे, वो देखो,” सोन् चिल्लाया। रीना ने देखा कि, एक नन्ही सी चींटी भी बड़े से चूहे की तरफ भागी जा रही थी।

अचानक एक बहुत बड़ी छाया सब पर पड़ी। एक बहुत बड़ी चील मुँडेर पर उतरी। लम्बी गली में एक नन्ही-सी चींटी, छोटी सी बिल्ली, बड़ा सा चूहा और एक बहुत बड़ी चील! तीनों चतुर बच्चे अब क्या करेंगे?

उन्होंने अपने छोटे-छोटे हाथों से ज़ोर-ज़ोर से ताली बजायी। चील ने बड़े बड़े पर फैलाए और उड़ गयी। रीना ने नन्ही-सी चींटी को एक पत्ते पर चढ़ाया और मुँडेर पर छोड़ दिया। मुँडेर पर चींटी को एक चीनी का दाना दिखाई दिया। उसने पीठ पर दाना लादा और झट से घर की तरफ भागी।

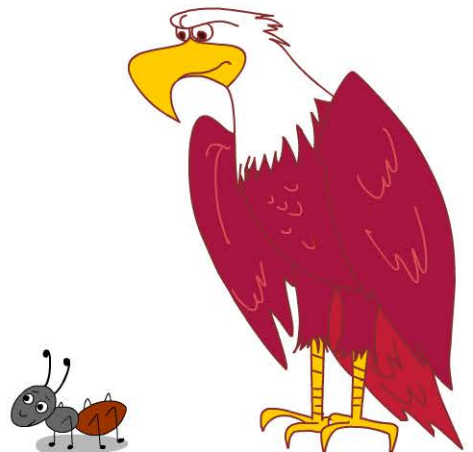


PRATHAM  
BOOKS

A Book in Every Child's Hand



This story has been provided for free under the CC-BY license by [Pratham Books](http://Pratham Books). Originally illustrated by Priya Kuriyan.





मोटे चूहे ने पास पड़ा पकौड़ा उठाया और नाली में वापस घुस गया। नन्ही बिल्ली बोली- म्याऊँ और अपना पंजा चाटने लगी। मोनू झट से कटोरी में उसके लिए थोड़ा दूध ले आया। तीनों बच्चे उसके साथ खूब खेले।

पेड़ पर बैठी चील ने अपनी आँखें झपकाई और दूर आसमान में उड़ गयी।

समाप्त

Click below to follow us:



YouTube

facebook

